

अंक 6 वर्ष 2

# विकास-पथ

वर्ष 2015



य एन डेक

दिवा-ठाणे खंड पर पूल

अंधेरी एस्टेज पर



## मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(रेल मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम)

[www.mrvc.indianrailways.gov.in](http://www.mrvc.indianrailways.gov.in)

श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु, माननीय रेल मंत्री द्वारा दिनांक 09.11.2015 को बोरीवली स्टेशन पर नवनिर्मित पदचारी पुल व नवीन एस्केलेटर का उद्घाटन किया गया।







## अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से

प्रिय साथियों,

बड़े हर्ष का विषय है कि मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन की गृह पत्रिका 'विकास पथ' का अगला अंक प्रकाशित होने जा रहा है। हिन्दी, संपर्क भाषा के साथ-साथ प्रभावशाली कामकाज की भाषा बने, इसके लिए सबका चिंतन और सम्मिलित प्रयास जरूरी है।

किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए यदि अपना पहले एक लक्ष्य निर्धारित करके योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए साथ ही सही मार्गदर्शन व सहयोग भी मिले तो सफलता अवश्य ही मिलती है। राजभाषा हिन्दी के विकास एवं प्रचार-प्रसार के बारे में भी यही नीति बनानी होगी। भाषा मानव की संपत्ति है। मानव को यह उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त हुई है। कहते हैं कि भाषा ज्ञान का द्वार होती है। भाषा चिंतन का साधन, विचारों का माध्यम, व्यवहारिक जरूरतों की पूर्ति का उपकरण होती है। भाषा ही एक सतत माध्यम है जिसके द्वारा हम मानवीय संवेदनाओं, मानवीय भावनाओं से जुड़ते हैं।

मुझे आशा है कि 'विकास पथ' का यह अंक अपने उद्देश्यों में सफलता प्राप्त करेगा। मैं आशा करता हूँ कि 'विकास पथ' की रचनाएं पाठकों के लिए रोचक और लाभप्रद साबित होंगी। पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए एमआरवीसी परिवार के सभी कर्मचारीवृंद को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

**प्रभात सहाय**

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



## निदेशक (परियोजना) का संदेश

प्रिय साथियों,

एमआरवीसी द्वारा हिन्दी को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है, इसलिए यहां के अधिकारी व कर्मचारी प्रशंसा के पात्र हैं। यह अत्यधिक हर्ष की बात है कि एमआरवीसी द्वारा गृह पत्रिका विकास-पथ का अगला अंक प्रकाशित किया जा रहा है।

हिन्दी भारत की लोक भाषा है अतः समस्त हिन्दी अनुरागियों का यह कर्तव्य है कि वे दृढ़ संकल्प के साथ हिन्दी के व्यापक प्रचार के लिए समन्वित प्रयास करें। यह नहीं भूलना चाहिए कि 10 जनवरी 1975 को हुए प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन में मॉरिशस, गुआना, फिजी, अफ्रीका आदि देशों का हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा बनाने में विशेष हाथ व प्रथम सफल प्रयास रहा है।

मैं आशा करता हूँ कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पत्रिका के इस अंक में प्रस्तुत लेखों से लाभान्वित होंगे। साथ ही मैं यह आशा भी करता हूँ कि इसमें दी गई जानकारी एमआरवीसी के अन्य पाठकों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगी। इसके लिए आप सभी को मेरी ओर से शुभकामनाएं।

**आर एस खुराना**  
निदेशक (परियोजना)





## निदेशक (वित्त) के विचार

साथियों,

स्वाधीनता के उपरांत विदेशी शासन के बोझ को अपने ऊपर से उतार फेंकने के बाद यह प्रश्न उठा कि भारत की राजभाषा क्या हो? क्योंकि भारत वर्ष में करीब 1652 मातृ भाषाएं व बोलियां बोली जाती हैं। अतः यह एक बड़ी समस्या उत्पन्न हुई कि अब स्वतंत्र भारत में शासकीय कामकाज किस भाषा या भाषाओं में किया जाए। तो संविधान सभा जिसका गठन देश के विभाजन से पूर्व ही हो गया था, उसके पास विभिन्न मत आए, किंतु बाद में सर्वसम्मति से 14 सितम्बर 1949 को 50 प्रतिशत लोगों की मातृभाषा व 80 प्रतिशत लोगों द्वारा बोली समझी जाने वाली भाषा हिन्दी को राजभाषा के मूल रूप में स्वीकार किया गया। संविधान सभा में राजभाषा संबंधी उपबंधों के विषय में चर्चा तो मुख्यतः 12, 13, 14 सितम्बर 1949 को ही शुरू हो चुकी थी। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इस कार्य के लिए हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के विशेषज्ञ सदस्यों की एक समिति गठित की थी जिसने संविधान के अंग्रेजी प्रारूप का हिन्दी में अनुवाद किया। संविधान के हिन्दी और अंग्रेजी दोनों ही भाषा के रूपांतरण पर संविधान सभा के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए तथा संविधान के अनुच्छेद 343 में यह घोषणा की गई कि संघ की राजभाषा हिन्दी व लिपि देवनागरी होगी तथा संघ के प्रशासनिक प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा। पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं।

**बी.के. मेहरा**

निदेशक (वित्त)

## संपादकीय



अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन द्वारा गृह पत्रिका 'विकास पथ' के आगामी अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका में एमआरवीसी के महत्वपूर्ण कार्यकलापों सहित राजभाषा हिन्दी के क्रमिक विकास का विवरण दिया गया है। मैं आशा करती हूँ कि यह पाठक वर्ग के लिए उपयोगी साबित होगी। हिन्दी भाषा स्वाभिमान का प्रतीक है। इसलिए इसकी निरंतरता बनाये रखने की दिशा में जो भी कदम उठाया जाये वह उसके उन्नयन का प्रतीक होगा।

प्रशासन द्वारा राजभाषा संबंधी समय-समय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की जाती है, साथ ही एमआरवीसी के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को कार्यालय में कार्य करने के उपरान्त आने वाली कठिनाइयों का भी प्रशासन द्वारा निवारण किया जाता है एवं साप्ताहिक इन हाऊस प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। पिछली ट्रेनिंग में सभी कर्मचारियों को एडवांस एक्सेल के बारे में बताया गया। जिसे सभी कर्मचारियों द्वारा सराहा गया।

कार्यालय द्वारा किए गये इस प्रयास की मैं सराहना करती हूँ और आशा करती हूँ कि एमआरवीसी के सभी अधिकारी / कर्मचारी एवं अन्य पाठकगण इसमें प्रस्तुत जानकारी को रूचिकर पाएंगे। पत्रिका का सफल प्रकाशन निरंतर और निर्बाध रूप से होता रहे इसके लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं।

**अलका मिश्रा**

मुख्य राजभाषा अधिकारी

एवं

मुख्य कार्मिक अधिकारी

# विकास-पथ

वर्ष 2015

## संरक्षक

प्रभात सहाय  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

आर.एस. खुराना  
निदेशक (परियोजना)

## संपादक मंडल

अलका अ. मिश्रा  
मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं  
मुख्य कार्मिक अधिकारी

## प्रकाशक

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड  
2री मंजिल, चर्चगेट,  
स्टेशन बिल्डिंग मुंबई-400020  
वेबसाइट [www.mrvcl.gov.in](http://www.mrvcl.gov.in)

पत्रिका में प्रकाशित लेखकों के  
विचार से संपादक मंडल का सहमत  
होना आवश्यक नहीं है। लेखों में  
व्यक्त किये गये दृष्टिकोण संबंधित  
लेखकों के है।

# अनुक्रमणिका

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश . . . . .	1
निदेशक (परियोजना) का संदेश . . . . .	2
निदेशक (वित्त) के विचार . . . . .	3
संपादकीय . . . . .	4
अनुक्रमणिका . . . . .	5
विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक तथा टीम का आगमन . . . . .	6
16वाँ वार्षिकोत्सव . . . . .	8
मुंबई उपनगर के लिए ईएमयू रेल की अधिप्राप्ति . . . . .	10
हार्बर लाइन पर 12 डिब्बा रेल चलाने हेतु . . . . .	13
उपभोक्ता संतुष्टी सर्वेक्षण . . . . .	15
मध्य रेल पर डीसी - एसी परिवर्तन . . . . .	17
परियोजना का कार्यान्वयन . . . . .	19
एशिया प्लेट्, पंचगनी में प्रशिक्षण . . . . .	20
वेलनेस एंड वेलफेयर कैम्प . . . . .	22
राजभाषा सप्ताह, 2015 . . . . .	23
कौमी एकता सप्ताह . . . . .	23
ई गवर्नेंस व पारदर्शिता . . . . .	24
सतर्कता जागरुकता सप्ताह . . . . .	25
नारा तथा पोस्टर प्रतियोगिता . . . . .	25
ई- ऑफिस कार्यान्वयन नीति . . . . .	26
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व . . . . .	29
कौशल क्षमता प्रशिक्षण . . . . .	36
स्कूल में सीएसआर गतिविधि . . . . .	38
इन हाऊस ट्रेनिंग . . . . .	40
मराठी भाषा प्रशिक्षण . . . . .	40
हिंदी वर्तनी की अशुद्धियां . . . . .	41
हिंदी टाइपिंग टूल . . . . .	42
मरम्मत गई तेल लेने (व्यंग) . . . . .	44
योग दिवस . . . . .	46
रवि का वरदान(कविता) . . . . .	47
नराकास की बैठक . . . . .	48



## विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक तथा टीम का आगमन

दिनांक 22.09.2015 को सु.श्री मुलयानी इंद्रावती, प्रबंध निदेशक तथा मुख्य परिचालन अधिकारी, विश्व बैंक, श्रीमती एन्नेट्टे डिक्सन, दक्षिण एशिया क्षेत्र की उपाध्यक्ष, श्री ओन्नो रूही, भारत में कंट्री डाइरेक्टर तथा विश्व बैंक के अन्य अधिकारियों का मुंबई में आगमन हुआ। उन्होंने चर्चगेट स्टेशन की दर्शक दीर्घा तथा एमआरवीसी कार्यालय का निरीक्षण किया। सु.श्री मुलयानी इंद्रावती ने मेसर्स बोम्बार्डियर इलेक्ट्रिक्स से आधुनिक आईसीएफ निर्मित एमयूटीपी चरण II ईएमयू रेक में चर्चगेट से अंधेरी तक यात्रा की तथा यात्रियों और मीडिया से वार्तालाप किया।









## 16 वाँ वार्षिकोत्सव

दिनांक 10 जुलाई, 2015 को मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन का 16वाँ वार्षिकोत्सव बडे ही हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक, निदेशक परियोजना, निदेशक वित्त सहित सभी विभागाध्यक्षों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी श्रीमति स्मृति जेकब ने किया। इस अवसर पर सभी तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को नगद पुरस्कार भी दिये गये।







अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक महोदय श्री प्रभात सहाय ने बहुत ही मनमोहक भाषण दिया। अपने भाषण के दौरान श्री सहाय ने न केवल वर्तमान की चर्चा की अपितु अपने एमआरवीसी के पूर्व कार्यकाल के बारे में भी बताते हुए सभी श्रोताओं को गुदगुदाया। साथ ही यह भी जानकारी दी की रेलवे बोर्ड द्वारा एमआरवीसी का कार्यकाल वर्ष 2019 तक की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है।

निदेशक (परियोजना) श्री रविशंकर खुराना ने अपने भाषण के दौरान मुंबई उपनगर में कार्यान्वित व पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं की जानकारी दी। श्री खुराना ने एमयुटीपी II के तहत विरार- दहाणू सेक्शन का चौहरीकरण, पनवेल-कर्जत सेक्शन का चौहरीकरण, मध्य व पश्चिम रेल के स्टेशनों का नवीनीकरण इत्यादि के बारे में बताया।



निदेशक (वित्त) श्री बी के मेहरा ने एमआरवीसी की वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि भविष्य में भी पूर्व की भाँति निष्ठा पूर्वक कार्य करते रहें एवम स्वयं को एमआरवीसी का हिस्सा होने हेतु गौरवान्वित महसूस करें।



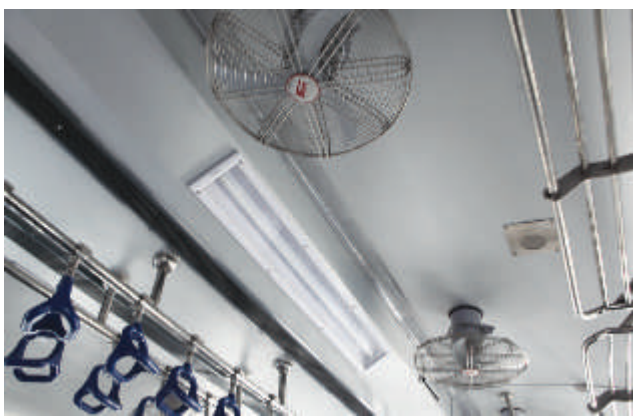
## मुंबई उपनगर के लिए ईएमयू रैक की अधिप्राप्ति

एमआरवीसी द्वारा एमयूटीपी चरण II ए के अंतर्गत मुंबई उपनगर के लिए 72, 12 कार ईएमयू रैकों की अधिप्राप्ति की परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत ईएमयू इलेक्ट्रिक्स की आपूर्ति का ठेका मेसर्स बोम्बार्डियर ट्रांसपोर्टेशन जर्मनी के संयुक्त बेंचर को दिया गया है। इस ठेके पर इलेक्ट्रिक्स की आपूर्ति आईसीएफ चेन्नई द्वारा की जा रही है। इन इलेक्ट्रिक्स ट्रेनों का निर्माण आईसीएफ चेन्नई में हो रहा है। आईसीएफ द्वारा अब तक 7 ट्रेनों का निर्माण किया जा चुका है। आईसीएफ द्वारा बकाया सभी ट्रेनों का निर्माण दिसंबर 2016 तक कर लिया जाएगा।

इस परियोजना के लिए, कोच इंटीरियर्स की डिजाइन तथा कर्षण नियंत्रण प्रणाली में भी सुधार लाने के लिए एमयूटीपी फेज I से प्राप्त अनुभवों के आधार पर विशेष प्रयास किए गए थे। कोच इंटीरियर की डिजाइन तथा सायनेजेस सहित बाहरी रंग योजना को एनआईटी अहमदाबाद के साथ परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया था।

एमयूटीपी चरण II ईएमयू कोचों में निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएं हैं, जिससे अनुरक्षण जरूरतों में कमी आएगी इसके अलावा सौंदर्य परकता तथा यात्री सुविधा में सुधार होगा।

1. अपनी तरह का पहला स्टेनलेस स्टील कोच जो स्टेनलेस स्टील स्ट्रेट साइड वाल तथा छत के लिए स्टेनलेस स्टील फ्लोटेड पैनल सहित डिजाइन किया गया है।
2. बेहतर सौंदर्यपरक तथा ऊर्जा बचत के लिए चालक कैब की वायुगति की रूपरेखा।
3. एनआईटी अहमदाबाद द्वारा डिजाइन की गई विस्तारित सौंदर्यपरकता सहित बाहरी रंग योजना तथा सायनेज।
4. बेहतर साज सज्जा तथा संवातन के लिए दोनों ओर लाइट फिटिंग सहित सेंट्रल डक्ट।
5. साइड वाल, एंड वाल तथा छत के लिए एफआरपी आंतरिक पैनेलिंग।
6. श्रमदक्षताशास्त्र के अनुसार प्रोफाइल की गई स्टेनलेस स्टील फ्रेम सहित पीयू फोम वाली गद्देदार प्रथम श्रेणी सीटें।
7. श्रमदक्षताशास्त्र के अनुसार प्रोफाइल की गई स्टेनलेस स्टील फ्रेम सहित इंजेक्शन मोल्डेड पोलीकार्बोनेट द्वितीय श्रेणी सीटें।



बेहतर साज सज्जा और संवातन के लिए दोनों ओर लाइट फिटिंग सहित सेंट्रल डक्ट।



स्टेट ऑफ द आर्ट 3-फेज आईजीबीटी आधारित तकनीक वाली प्रथम स्टेनलेस स्टील एसी ईएमयू रैक





हल्के वजन वाली स्लाइडिंग सहित यूजर फ्रेंडली दरवाजे;  
बाहर दिखने वाले कांच सहित



चालक कैब का एक्रोडाइनेमिक प्रोफाइल



श्रमदक्षता शास्त्र के अनुसार प्रोफाइल की गई,  
पॉलीकार्बोनेट से मोल्ड की गई सीटें



यूजर फ्रेंडली प्रोफाइल वाले स्टेनलेस स्टील सामान रक



श्रमदक्षता शास्त्र के अनुसार प्रोफाइल की गई,  
स्टेनलेस स्टील फ्रेम सहित पीयू फोम वाली गद्देदार प्रथम श्रेणी सीटें ।



इम्प्रूव्ड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम डिस्प्ले



8. बेहतर संवातन के लिए दरवाजे तथा कंपार्टमेंट पार्टीशन पर हनी कॉम्ब पैन्लिंग सहित स्टेनलेस स्टील ट्यूबलर फ्रेम संरचना ।
9. मजबूत स्टेनलेस स्टील वाले हथिये ।
10. यूजर फ्रेंडली प्रोफाइल वाले स्टेनलेस स्टील लगेज रेक।
11. मनोरम दृश्य के लिए, पोलीकार्बोनेट लोवर्स सहित चौड़ी खिड़कियां।

उपस्करों तथा ट्रेन कंट्रोल प्रणालियों की डिजाइन इस प्रकार की गई है कि सुधारित परिचालनिक निष्पादन, साथ ही यात्री सुविधा उपलब्ध हो सके । इस बारे में ट्रेन की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

- क. सुधारित ऊर्जा बचत वाली तथा विश्वसनीय, स्टेट ऑफ आर्ट 3 फेज आईजीबीटी आधारित तकनीक ।
- ख. कम अनुरक्षण प्रयासों की जरूरत वाली, ऊर्जा बचत वाली, विश्वसनीय उच्च हॉर्स पावर तीन चरण आल्टरनेटिंग करेंट कर्षण मोटर वेरिबल वोल्टेज वेरिबल फ्रीक्वेंसी (वीवीवीएफ) कंट्रोल ।
- ग. शुद्ध तथा समयानुसार घोषणाएं और प्रदर्शन करने वाली जीपीएस आधारित माइक्रोप्रोसेसर नियंत्रित यात्री सूचना प्रणाली ।
- घ. 110 कि.मी. प्रति घंटे की सुधारित अधिकतम अनुमेय गति जो कि मुंबई उपनगर में रोलिंग स्टॉक की वर्तमान फ्लीट के बीच उच्चतम है ।
- ङ. बेहतर औसत गति के लिए क्रमशः 0.54 मी तथा 0.76 मी. उच्चतर त्वरण तथा अवमंदन ।
- च. रीजेनरेशन के कारण संशोधित ऊर्जा बचत - परिणामस्वरूप 30 प्रतिशत ऊर्जा बचत, इसके कारण कार्बन फुट प्रिंट में कमी करने में भी सफलता मिली है ।
- छ. रूफ माउंटेड फोर्सिड संवातन प्रणाली जो 16000 घन मी. प्रति घंटे ताजी हवा की आपूर्ति करेगी तथा सुधारित यात्री सुविधा के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार कोच के अंदर तथा बाहर की ओर कार्बन-डाई-आक्साइड स्तर में अंतर का 700 पीपीएम पर अनुरक्षण करेगी ।
- ज. बेहतर सवारी गुणवत्ता के लिए सेकेन्डरी सस्पेंशन में एयर स्प्रिंग्स।
- झ. चर्चगेट-बोरीवली अथवा सीएसटीएम-ठाणे खंडों के लाक्षणिक यात्रा समय में लगभग 4 से 5 मिनट की कमी ।
- ण. बेहतर दृश्यता तथा आराम के लिए डिब्बों में न्यूनतम 3001यूएक्स का इलुमिनेशन स्तर ।
- ट. दोनों तरफ लेड डिस्प्ले वाली ऑन बोर्ड यात्रियों के लिए दृश्यता बढ़ाने वाली माइक्रोप्रोसेसर आधारित यात्री सूचना प्रणाली ।

इन रेकों के सेवा में आने के बाद, ट्रेन की यात्री हस्तक्षेप विशेषताओं पर उपनगरीय यात्रियों से उनकी राय जानने के लिए विशेष सर्वेक्षण किया गया था । सर्वेक्षण के दौरान यह पाया गया कि सीटिंग पैटर्न, सीटों के बीच पैर फैलाने की जगह, यात्री सूचना प्रणाली, ग्रैब हैंडल्स, लगेज रेक, स्लाइडिंग डोर तथा खिड़कियों जैसी विशेषताओं की यात्रियों द्वारा अत्यंत प्रशंसा की गई । ये रेक पश्चिम रेल पर 18 मार्च 2015 से संतोषजनक रूप से चल रहे हैं ।

**एम जी धमनगांवकर**

मुख्य विद्युत अभियंता II

## हार्बर लाइन पर 12 डिब्बा रैक चलाने के संबंध में वर्तमान रे रोड प्लेटफार्मों को पनवेल की ओर 70 मीटर तक बढ़ाने से संबंधित ऊपरी उपस्कर संशोधन कार्य ।

हार्बर लाइन पर सीएसटीएम तथा मानखुर्द स्टेशनों (किंग सर्किल स्टेशन सहित) के बीच 12 डिब्बा रैक सेवा प्रारंभ करने के प्रस्तावित कार्य को एमआरवीसी द्वारा शुरू करने के लिए वर्तमान प्लेटफार्मों के विस्तार हेतु चल रहे कार्य की अवधि के दौरान यह पाया गया कि रे रोड सबसे अधिक कठिनाई वाले स्टेशनों में से एक है । 90 से 100 वर्ष की आयु वाली प्राचीनतम ढलान रे रोड स्टेशन के दोनों सिरों पर समीपवर्ती ऊपरी स्तर स्टेशन डाकयार्ड रोड तथा काटनग्रीन के लिए तुरंत शुरू होती है । जहाँ पर ढलान के एक ओर झोपड़ियाँ / निजी इमारतें हैं तथा दूसरी ओर फेंस वाल और सड़क मार्ग मौजूद हैं, जिसके कारण इस कार्य के लिए आवश्यक ओएचई फाउंडेशन रखने में पूरी तरह भूमि दबाव है ।

ढलान पर बॉउंडरी की दीवारें ओएचई फाउंडेशन प्वाइंट की दृष्टि से छूने योग्य नहीं हैं क्योंकि फाउंडेशन को भूमि स्तर पर आधार की जरूरत है, जबकि रेम्प फेंस दीवारें खतरनाक हैं ।



स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी इसके अतिरिक्त, रे रोड स्टेशन के पनवेल सिरे पर दोनों अप तथा डाउन हार्बर लाइन पर कंट्रोलिंग स्विच सहित ऊपरी उपस्कर के इंसुलेटेड ओवरलैप स्पान मौजूद थे तथा इसके कारण प्लेटफार्म के विस्तार में भारी गतिरोध पैदा हो रहा था। हार्बर लाइन पर तेजी से हो रहे 25 के. वी. एसी-टीआरडी प्रणाली के कारण इंसुलेटेड ओवरलैप स्पान को स्थानांतरित करना अत्यधिक महत्वपूर्ण था तथा इसे विशेष प्रकार के ओएचई संरचना तथा फाउंडेशन और अपेक्षाकृत अधिक भूमि की जरूरत थी जो कि स्थल पर उपलब्ध नहीं थी ।

ओएचई संरचना, ओएचई स्विच, ओएचई इंसुलेटेड स्पान न केवल प्लेटफार्म के प्रस्तावित विस्तार में बाधक थे बल्कि वे लोकल ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों अथवा उन एसेंट्स के नीचे से गुजरने वालों के लिए हानिकारक थे । प्रत्येक वस्तु में अवरोध तथा अतिलंघन उत्पन्न हो रहा था किंतु भूमि दबाव के कारण उनका उचित स्थान पर स्थानांतरण संभव नहीं था ।

एमआरवीसी इंजीनियरों ने पीएमसी इंजीनियरों के साथ मिल कर प्रयास किए, बार बार स्थल का निरीक्षण किया, वैकल्पिक मार्ग एवं साधनों पर विचार किया, संयुक्त अध्ययन किया, केवल इसलिए कि विस्तारित प्लेटफार्म 25 केवी टीआरडी प्रणाली सहित प्रारंभ होने के बाद रेल संपत्ति तथा समग्र रूप से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके । इंजीनियरों ने भूमि स्तर से नीचे डालने तथा रेलपथ की ऊंचाई तक ऊपर उठाने और बाद में आवश्यक /संशोधित ओएचई संरचनाएं खड़ी करने का निश्चय किया ।



डाउन हार्बर लाइन की ओर कोई जगह नहीं थी, अतः इंजीनियरों ने तय किया कि रे रोड स्टेशन पर इस कार्य को सफलता पूर्वक पूरा करने के लिए डाउन हार्बर लाइन रेल पथ की ओएचई संरचनाओं को अप हार्बर लाइन की तरफ से खड़ा किया जाए ।

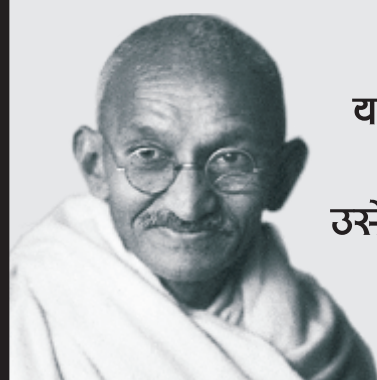
एमआरवीसी इंजीनियरों तथा पीएमसी इंजीनियरों द्वारा संयुक्त रूप से तय की गई योजना के अनुसार रे रोड पर यह कार्य नाइट ब्लाक और मेगा ब्लाक में किया गया और अंततः पूरा हुआ तथा रे रोड स्टेशन पर टीआरडी; ओएचई कार्य सभी आवश्यक आधुनिक सुरक्षा क्लियरेंस तथा सुविधाओं सहित पूरा किया गया ।

मस्जिद, सैंडहर्स्ट रोड (उपरी स्तर प्लेट फार्म) रे रोड, काटनग्रीन, शिवड़ी, चूना भट्टी, तिलकनगर, चेम्बूर, गोवंडी, मानखुर्द तथा किंग सर्किल और अब रे रोड स्टेशनों पर ओएचई कार्य सभी रास्तों पर पहले ही पूरा किया जा चुका है । एमआरवीसी इंजीनियर (टीआरडी- ओएचई) इकाई तीव्र गति से कार्य कर रहे हैं तथा कुर्ला और वडाला रोड स्टेशन शीघ्र ही पूरा होने के निकट है ।

इसके अलावा मध्य रेल के मुंबई मंडल में मुंबईकरों के लिए अतिक्रमण नियंत्रण उपायों के अंतर्गत पैदल उपरी पुलों के प्रस्तावित निर्माण से संबंधित कार्य, उन पैदल उपरी पुलों के निर्माण करने के लिए सभी अतिलंघनों/बाधाओं को हटाने हेतु मार्ग में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने का कार्य भी हार्बर लाइन पर प्रगति पर है तथा एमआरवीसी इंजीनियर यह लक्ष्य सफलता पूर्वक हासिल कर रहे हैं ।

**के. एस. कपूर**

मुख्य विद्युत इंजीनियर (परियोजना)



यदि मनुष्य सीखना चाहे,  
तो उसकी हर भूल  
उसे कुछ शिक्षा दे सकती है!  
**महात्मा गांधी**





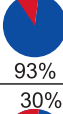
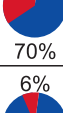
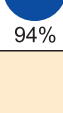
## उपभोक्ता संतुष्टी सर्वेक्षण (कस्टमर सैटिसफ़ेक्शन सर्वे)

एमयूटीपी चरण-II के अंतर्गत आई सी एफ द्वारा मेसर्स बॉम्बार्डियर इलेक्ट्रिक्स के सौजन्य से निर्मित अत्याधुनिक ईएमयू रैक का उदघाटन तत्कालीन माननीय रेल मंत्री श्री मल्लिकार्जुन खडगे द्वारा दिनांक 27.10.2013 को लोकमान्यतिलक टर्मिनस पर किया गया। यह नया रैक 18मार्च 2015 को पश्चिम रेलवे पर चर्चगेट व बोरीवली के मध्य सेवा में लाया गया।



दिनांक 06.04.2015 से 16.04.2015 तक इन रैकों पर सर्वेक्षण निष्पादित किया गया।

क्रम सं.	मद	विकल्प	प्रतिक्रिया % में	
1	बैठने की पद्धति	क) ठीक	98%	<div> <div>OK</div> <div>NOT OK</div> </div>
		ख) ठीक नहीं	2%	
2	प्रथम श्रेणी कोच में पैर रखने की जगह	क) पर्याप्त	94%	<div> <div>Adequate</div> <div>Inadequate</div> </div>
		ख) अपर्याप्त	6%	
3	द्वितीय श्रेणी कोच में पैर रखने की जगह	क) पर्याप्त	95%	<div> <div>Adequate</div> <div>Inadequate</div> </div>
		ख) अपर्याप्त	5%	
4	यात्री सूचना प्रणाली के प्रदर्शन की दृश्यता	क) पर्याप्त	82%	<div> <div>Adequate</div> <div>Need Relocation</div> </div>
		ख) पुनर्स्थापन की आवश्यकता	18%	
5	कृत्रिम वायु संचालन प्रणाली	क) पर्याप्त	93%	<div> <div>Adequate</div> <div>Inadequate</div> </div>
		ख) अपर्याप्त	7%	
6	पंखों एवं अन्य विद्युत उपकरणों की संख्या	क) पर्याप्त	87%	<div> <div>Adequate</div> <div>Inadequate</div> </div>
		ख) अपर्याप्त	13%	

क्रम सं.	मद	विकल्प	प्रतिक्रिया % में	
7	खडे यात्रियों के लिए पकड़ने के हैंडल	क) पर्याप्त	94%	 <div> <div>Adequate</div> <div>Inadequate</div> </div>
		ख) अपर्याप्त	6%	
8	लगेज रैक की लम्बाई व चौड़ाई	क) पर्याप्त	91%	 <div> <div>Adequate</div> <div>Needs to be lowered</div> </div>
		ख) नीचे झुकने की जरूरत	9%	
9	खिड़की के आयाम	क) पर्याप्त	93%	 <div> <div>Adequate</div> <div>Inadequate</div> </div>
		ख) अपर्याप्त	7%	
10	उतरने/चढ़ने के लिए सिढ़ियाँ	क) ठीक	70%	 <div> <div>OK</div> <div>Not OK</div> </div>
		ख) ठीक नहीं	30%	
11	प्रथम श्रेणी कोच में सीट की चौड़ाई	क) सुविधाजनक	94%	 <div> <div>Adequate</div> <div>Inadequate</div> </div>
		ख) असुविधाजनक	6%	

एमआरवीसी / परिचालन विभाग के कर्मठ एवं योग्य पर्यवेक्षकों द्वारा दिनांक 06.04.2015 से 16.04.2015 तक इन रैकों पर तय समय सीमा के भीतर सर्वेक्षण निष्पादित किया गया जो कि अत्यंत सराहनीय है।

## स्वतंत्र बाह्य मॉनीटर (आईईएम) पद पर नियुक्ति



श्री प्रभात सहाय, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, श्री एस श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी, एमआरवीसी) को स्वतंत्र बाह्य मॉनीटर (आईईएम) पद पर दिनांक 09.09.2015 का नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए।

**प्रभात रंजन**  
मुख्य परिचालन प्रबंधक

## मध्य रेल पर डीसी-एसी परिवर्तन का सफलतापूर्वक निष्पादन

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन द्वारा मध्य रेल के सायन एवं चिंचपोकली स्टेशनों पर कर्षण उपकेंद्र [ट्रेक्शन सबस्टेशन (टीएसएस)] के लिए आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं स्थापना का कार्य किया गया है। माटुंगा पर सेक्शनिंग व पेरलेलिंग पोस्ट (एसपी) का कार्य, छत्रपति शिवाजी टर्मिनलस (सीएसटीएम), सैंडहर्स्ट रोड, परेल, एवं विद्याविहार पर सब सेक्शन व पेरलेलिंग पोस्ट (एसएसपी) का कार्य किया जा चुका है।



सीएसटीएम एसएसपी



सैंडहर्स्ट रोड एसएसपी

चिंचपोकली एवं सायन कर्षण उपकेंद्रों पर 110 कि. वो. की विद्युत आपूर्ति, परेल व धारावी स्थित टाटा रिसीविंग सेक्शन से की जाती है। हर कर्षण उपकेंद्र पर 30 एम वी ए के दो ट्रांसफार्मर लगाये गये हैं। कर्षण उपकेंद्र पर इस 110 कि. वो. की विद्युत आपूर्ति को कर्षण कार्य के लिए सर्किट ब्रेकर्स द्वारा ओ. एच. ई में प्रवाहित करने हेतु 25 कि. वो. में परिवर्तित किया जाता है। पूरे सेक्शन के प्रोटेक्शन के लिए मुंबई सबर्बन के लिए तैयार की गई प्रोटेक्शन स्कीम लगाई गई है।



चिंचपोकली टीएसएस



परेल एसएसपी

सेक्शन के आईसोलेशन के लिए स्विचिंग पोस्ट, माटुंगा, सीएसटीएम, सैंडहर्स्ट रोड, परेल, एवं विद्याविहार पर उपलब्ध कराये गये हैं। ओएचई में 25 कि. वो. की आपूर्ति हेतु भुमितल के नीचे से 66 कि. वो. के विद्युत तारों और क्रॉस फ़ीडर द्वारा व्यवस्था की गई है।





माटुंगा एसपी



सायन टीएसएस

दिनांक 08.06.2015 को ठाणे - सीएसटीएम सेक्शन को डी सी से एसी में बदल दिया गया है। सभी कर्षण उपकेंद्र व स्विचिंग पोस्ट सफलतापूर्वक कमीशन कर दिये गये हैं। किसी भी प्रकार की शिकायत मध्य रेल से नहीं मिली है, यह एमआरवीसी के लिए गौरव की बात है।



विद्याविहार एसएसपी

अजीत शर्मा  
मुख्य विद्युत अभियंता I



## परियोजना का कार्यान्वयन



वसई रोड एफओबी



कांजुरमार्ग स्काईवॉक

- निर्माण और एफओबी गर्डरों का शुभारंभ कांजुरमार्ग, वसई और नालासोपारा में पूरा किया गया है। इसके अलावा, कांदीवली डेक की गर्डरों का काम भी शुरू किया गया है।
- बोरीवली के सभी तीन संतुलन एस्केलेटर स्थिति में रखा गया है और कमीशन के लिए परीक्षण किया जा रहा है।
- ग्रीन पैच भायंदर, बोरीवली, कांदीवली, कुर्ला और वसई स्टेशनों पर पूरा किया गया है।



5 खिड़कियां और तीन खिड़कियों के साथ दो टिकट बुकिंग कार्यालयों कलवा व दिवा स्टेशन पर चालू हो गई हैं

### हार्बर लाइन पर 12-कार रेक की रनिंग

12- कार ईएमयू के चलाने के लिए प्लेटफॉर्म पर कवर व प्लेटफॉर्मों का विस्तार का काम सभी 10 हार्बर लाइन स्टेशनों मानखुर्द, गोवंडी, चेंबूर, तिलक नगर, चूनाभट्टी, गुरु तेग बहादुर नगर, किंग्ससर्किल, शिवडी, सैंडहर्स्ट रोड और मस्जिद में पूरा हो चुका है।



## एशिया प्लेट्, पंचगनी में प्रशिक्षण

उत्पादकता बढ़ाने हेतु “अभिप्रेरण व व्यवस्थापन संबंधी बर्ताव”:- कुल 50 अधिकारियों को एशिया प्लेट्, पंचगनी के सौहार्द पूर्ण वातावरण में दिनांक 25 से 27 अप्रैल 2015 एवं दिनांक 8 से 10 मई 2015 के दौरान 25-25 के दो बैच में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया गया।

एशिया प्लेट्, पंचगनी की बहुत खूबसूरत वादियों में 68 एकड़ की जमीन पर बसा हुआ है। पिछले कई वर्षों से यह संस्थान अनेक महिलाओं एवं पुरुषों को प्रशिक्षण प्रदान कर चुका है।

**इस संस्थान द्वारा प्रशिक्षण के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया।**

**एम्पटिंग योअर-कप :-** इस सत्र के दौरान यह अहसास कराया गया कि अभी भी हमारे अंदर रिक्त स्थान बाकी है बल्कि दूसरे शब्दों में कहें तो कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं है।



**फेमली ग्रुप मीटिंग :-** इस सत्र के दौरान सभी ने अपने जीवन के उन पहलुओं को उजागर किया जिन्हें आम तौर पर हम दूसरे के सामने अर्थात भीड़ में जिक्र करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। जीवन के कुछ पहलुओं ने हमें गुदगुदाया तो कुछ पहलुओं ने हमें इमोशनल कर दिया।





**लाइफ बैलेंस शीट:-** यह एक बहुत ही प्रेरणादायक सत्र था जिसमें हमने न केवल उन्हें याद किया जिसके लिए हमने कुछ अच्छा किया बल्कि उन्हें भी याद किया जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से हमारा भला किया। उन्हें भी याद किया जिनके साथ हमने कुछ बुरा किया था अथवा जिन्होंने हमारे साथ बुरा किया।



**इनर गवर्नन्स:-** इस सत्र के दौरान अंतरात्मा से साक्षात्कार हुआ जिससे आंतरिक शांति की प्राप्ति हुई।

**बिल्डिंग रिलेशनशिप:-** आपसी संबंधों का सौहार्द पूर्ण निर्माण जैसा कि इस सत्र का टाइटल है।

**पर्यावरण संबंधी संकट:-** पर्यावरण को किस प्रकार शुद्ध बनाया जा सकता है एवं यह हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है।

**जॉग विथ पॉट:-** इस खेल के माध्यम से समझाया गया कि किस प्रकार टीम योजना, ईगो, जेलेसी, एवं जीतने की चाह हमारी दैनिक कार्यों को प्रभावित करती है।

**आइस ब्रेकर:-** इस सत्र के दौरान एक बार फिर हमें अपने बचपन की याद दिलाई गई।

**इंडिया आई केयर:-** भारत की केयर खुद करना शुरू करें। हर इंसान यह सोचकर केयर करेगा कि मैं नहीं तो और कौन केयर करेगा, तभी मजबूत भारत बनेगा।





## वेलनेस एंड वेलफेयर कैम्प

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, बोरीवली में योग साधना शिविर : दिनांक 17.10.2015 को एमआरवीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान बोरीवली में योग साधना शिविर का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में महिलाओं की भी सहभागिता रही। योग साधना शिविर के उपरांत कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय उद्यान में भ्रमण, टाइगर सफारी, मिनी ट्रेन आदि की भी व्यवस्था की गई तदोपरांत भोजन उपलब्ध करवाया गया एवं भोजन के बाद कैम्प का समापन हुआ।



**पक्षी अभयारण्य कर्नाला :** दिनांक 24.10.2015 को एमआरवीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पक्षी अभयारण्य, कर्नाला में वेलनेस एंड वेलफेयर कैम्प का आयोजन किया गया। पक्षी अभयारण्य, कर्नाला, मध्य रेल के पनवेल स्टेशन से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सुरम्य वातावरण और मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों ने सभी का मन आनंदित किया। दल की अगुवाई श्री शरद कुमार मिश्रा, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक ने की। उन्होंने दल को ध्यान और प्राणायाम कराया। योगाभ्यास के बाद जलपान हुआ। उद्यान में भ्रमण के बाद भोजन की भी व्यवस्था की गई थी। शाम को सूर्यास्त के समय वापस प्रस्थान किया। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा इस कैम्प की अत्यंत सराहना की गई और इससे कर्मचारियों में उत्साह व स्फूर्ति का वातावरण तैयार हुआ है।



## राजभाषा सप्ताह 2015

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन द्वारा दिनांक 23.09.2015 को राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ अध्यक्ष ब प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान निदेशक (परियोजना), निदेशक (वित्त), सभी विभाग प्रमुख, अधिकारीगण व कर्मचारी उपस्थित थे। विभिन्न प्रतियोगिताओं- निबंध प्रतियोगिता (अधिकारियों के लिए), निबंध प्रतियोगिता (कर्मचारियों के लिए), पोस्टर प्रतियोगिता (अधिकारियों / कर्मचारियों के बच्चों के लिए), वाक प्रतियोगिता (अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए), संगोष्ठी तथा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया।

राजभाषा सप्ताह समापन समारोह के दौरान अध्यक्ष ब प्रबंध निदेशक महोदय के हाथों से सभी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये तथा वर्ष 2014-15 के दौरान हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य के लिये भी कर्मचारियों को पुरस्कार दिये गये ताकि अन्य कर्मचारी भी प्रभावित होकर अधिक से अधिक कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने का प्रयास करें।



## कौमी एकता सप्ताह

दिनांक 23.11.2015 को एमआरवीसी के सभा कक्ष में कौमी एकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धर्म निरपेक्षता, गैर साम्प्रदायिकता व अहिंसा विषय पर एक परिचर्चा/विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। कर्मचारियों ने कार्यक्रम की सराहना की तथा इसके सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती स्मृति जेकब, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी ने किया।





## ई गवर्नेंस और पारदर्शिता

जब किसी देश को विदेशी शासन से सालों साल संघर्ष करने के बाद, देश के तमाम नौजवानों की इस संघर्ष में बलि चढ़ाने के बाद, एक दो पीढ़ियों की जवानियां जेल की सलाखों के पीछे बर्बाद करने के बाद, और 'सत्याग्रह' और 'अहिंसा' जैसे शब्दों को मंत्रों की महिमा देने के बाद जब किसी देश को सदियों अपने इतिहास के गौरव की लौ को अपने हाथों की लौ से संजोने के बाद, और जब उसी देश की जनता जनार्दन को जिसमें करोड़ों भूखे, कमजोर, अशिक्षित व असहाय लोग शामिल हैं' इतने सपनों और इतने संघर्ष के बाद वह बेशकीमती आजादी मिल जाए जिसके सहारे उन्हें अपने मूल अधिकार मिलने थे, जिसके आधार पर उन्हें पेट भर खाना और रहने को आश्रय मिलता था, और जिसके बलबूते पर उन्हें शिक्षा के प्रकाश की चमक देखनी थी, तो यह वाजिब है कि आजादी के लगभग सात दशक होते होते उनके सपने सच्चाई में परिवर्तित होने चाहिए थे। खास तौर से तब जब अखबारों और दूरदर्शन पर सरकार की दसियों विकास योजनाओं की चर्चा अनवरत रूप से हो रही हो। पर सच्चाई इन सपनों से दूर है। सच्चाई यह है कि देश की जनता अपने गांवों और खेतों के नर्म आँचल को पीछे छोड़ मुंबई, दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई और अन्य अनेक शहरों की सड़कों पर जानवरों से बदतर हालात में अपने पेट भरने के लिए पड़ी है। अब किसी सपने की गुंजाइश नहीं, किसी उम्मीद का सहारा नहीं। अब तो अपने ही लोग शासक हैं; अब किससे शिकायत, किसके विरुद्ध आंदोलन।

आपका सवाल है कि देश की जनता की बदहाली का ई-प्रशासन एवं पारदर्शिता में क्या संबंध है। मेरा जवाब है कि आज यदि एक, मात्र एक, युक्ति है जिससे कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति को देशवासियों के सामने पूरी तरह से लाया जा सकता है जिससे कि वे वास्तविकता का अनुभव स्वयं कर सकें, तो वह है ई-पारदर्शिता फाइलों के गढ़ों में बंधे हुए आँकड़े जब इस देश के अनेक कस्बों और गांवों के जवान लोगों की आंखों के सामने रखी हुई एक कंप्यूटर स्क्रीन पर झिलमिलाने लगेंगे तो सच्चाई की गवर्नेंस स्वतः स्थापित हो जाएगी। कल्पना कीजिए उस दिन की जब आप अपना अधिक से अधिक काम कंप्यूटर पर करेंगे; आपके काम की प्रगति दैनिक रूप से इंटरनेट पर दिखेगी, आपके द्वारा किया गया खर्चा दैनिक रूप से इंटरनेट पर प्रदर्शित होगा। किस गांव में कौन सी सड़क बनती है, किस गांव में जलयुक्त शिविर योजना का कार्यान्वयन कितने समय में होता है, किस शहर में पानी की सप्लाई लाइन कितने पैसों में दुरुस्त होनी है, इत्यादि सूचनाएं जब इंटरनेट पर दिखने लगेंगी तब शायद सरकार में सतर्कता विभाग की जरूरत कम हो जाए। क्योंकि तब जिनकी सुविधा हेतु योजनाएं बनती हैं वे ई-गवर्नेंस के आधार पर खुद सतर्क हो उठेंगे।

कल्पना कीजिए उस दिन की जब ई-गवर्नेंस के माध्यम से लोगों को यह खबर रहेगी कि हमने किस एस्टीमेट के आधार पर काम शुरू किया था और उस एस्टीमेट के रूप में क्या क्या परिवर्तन हुए, हमने कितने खर्च का अंदाजा रखा था और कितना खर्च किया, और हमने कितने समय में उस काम को पूरा करने का वायदा खुद से किया था पर दरअसल उस काम को कितने समय में किया तो संभव है कि कुछ समय के लिए हमें कई दिशाओं से गर्म हवाओं का सामना करना पड़े। पर ऐसा समय लंबा नहीं होगा।

साश्वत होगी मात्र वह पारदर्शिता जो कि ई-गवर्नेंस के माध्यम से जन्म लेगी और जिसके आधार पर जनता जनार्दन को वे मूलाधिकार मिलेंगे जिनका जिक्र देश के संविधान में तो है पर जो कभी वास्तविकता नहीं बन सके थे।

कल्पना कीजिए उस दिन की जब हम इस देश के ऊपर छाए गरीबी व अशिक्षा के घने बादलों के बीच एक बार फिर एक आशा की किरण देखेंगे। उसका नाम होगा पारदर्शिता।

**स्मृति वर्मा**

वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी  
एम आर वी सी



## सतर्कता जागरूकता सप्ताह

एमआरवीसी में दिनांक 26 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2015 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान निम्नानुसार गतिविधियां आयोजित की गई :-



### सतर्कता प्रतिज्ञा

दिनांक 26.10.2015 को 11.00 बजे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की उपस्थिति में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने सतर्कता प्रतिज्ञा ली।

### निबंध प्रतियोगिता

दिनांक 27.10.2015 को भ्रष्टाचार पर गांधीवादी परिप्रेक्ष्य की प्रासंगिकता अथवा "जीवन क्षणभंगुर है, ईश्वर में आस्था रखें।" इन विषयों पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।



### वाक् प्रतियोगिता

दिनांक 28.10.2015 को 15.30 बजे "परिणाम अच्छा है तो बुरा साधन भी उचित है" अथवा "निवारात्मक सतर्कता अच्छे गवर्नेंस के यंत्र के रूप में" विषय पर वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

## नारा तथा पोस्टर प्रतियोगिता

दिनांक 28.10.2015 को एमआरवीसी के अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए आयु 15 वर्ष तक तथा आयु 15 वर्ष से अधिक दो गुणों में नारा तथा पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।



## ई-ऑफिस कार्यान्वयन नीति

एमआरवीसी में दक्षता तथा सेवा सुपुर्दगी मेकेनिज़म में सुधार लाने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। इस अभियान के एक भाग के रूप में, एमआरवीसी की परिचालनिक दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से एमआरवीसी में ई-ऑफिस परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इस संबंध में एक नीति का प्रारूप तैयार किया गया है। प्रस्तावित नीति के उद्देश्य निम्नलिखित होंगे :-

1. सभी मामलों में प्रबंधन प्रतिक्रिया की प्रभावपूर्णता में सुधार लाना।
2. प्रस्तावों में लगने वाला समय कम करना तथा इससे दक्षता में सुधार।
3. कुशल संसाधन प्रबंध उपलब्ध कराना ताकि प्रशासन की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके।
4. प्रक्रिया में होने वाला विलंब कम करना।
5. पारदर्शिता तथा विश्वसनीयता में वृद्धि करना।

ई ऑफिस पद्धति पर केंद्रीय सचिवालय मैनुअल (सीएसईएमओपी) जो ई-मैनुअल भी कहलाता है, में पद्धति की रूपरेखा दी गई है जो ई-ऑफिस वातावरण में अपनाई जानी है। ई ऑफिस वातावरण में केंद्रीय सरकारी विभागों में अपनाई जाने वाली सामान्य प्रक्रिया इस ई-मैनुअल में वर्णित है तथापि, एमआरवीसी के लिए विशिष्ट प्रक्रिया ऐसे निर्देशों के उल्लंघन के बिना जो कि ई-मैनुअल में नहीं दिए गए हैं समय समय पर जारी किए जाएंगे।

ई-मैनुअल (सीएसईएमओपी) कार्यालय पद्धति पर केंद्रीय सचिवालय मैनुअल (सीएसएमओपी) ई-ऑफिस यूजर मैनुअल की प्रतियाँ एमआरवीसी के ई-ऑफिस पोर्टल [effice.mrv.gov.in](http://effice.mrv.gov.in) पर उपलब्ध हैं।

एमआरवीसी में ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित प्रक्रियाएं अपनाई जाएंगी:

क्र.सं	गतिविधि	विवरण
1.	डिजिटाइज्ड की जाने वाली फाइलों की पहचान	1. वर्तमान भौतिक फाइलें जैसी हैं, बंद कर दी जानी चाहिए। नई फाइलें केवल ई-ऑफिस के माध्यम से सृजित की जानी चाहिए। यदि कोई संदर्भ प्रलेख पुरानी फाइल (पत्राचार पृष्ठ या टिप्पणी पृष्ठ की ओर) से लिया जाना आवश्यक है तो संबंधित पृष्ठों को स्कैन करके, डायरीबद्ध करके नई इलेक्ट्रॉनिक फाइल में अपलोड किया जाना चाहिए।
		2. यदि कोई पुरानी महत्वपूर्ण फाइल डिजिटीकृत की जानी है, तो संपूर्ण फाइल स्कैन करके ई-ऑफिस प्रणाली में स्थानांतरित की जा सकती है।
2.	केंद्रीय पंजीयन इकाई की स्थापना	एमआरवीसी में कुशल मानव संसाधन/कार्मिकों के साथ केंद्रीय पंजीयन इकाई की स्थापना तथा प्रलेखों को जमा करने के लिए जगह की जरूरत है। सभी स्कैन किए गए दस्तावेज वर्तमान नीति के अनुसार फाइल / डायरीबद्ध किए तथा सुरक्षित रखे जाने चाहिए।
3.	स्कैन तथा डायरीबद्ध की जाने वाली डाक की सूची	एमआरवीसी/विभाग/कर्मचारी/पदनाम/कर्मचारी के नाम तथा पदनाम से संबोधित डाक।

क्र.सं	गतिविधि	विवरण
4.	स्कैन तथा डायरीबद्ध न की जाने वाली डाक की सूची	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. समाचार पत्र, पत्रिकाएं, आवधिक पत्र, बधाई पत्र।</li> <li>2. निजी डाक (कर्मचारी के नाम) जैसे कि जीवन बीमा निगम के अनुस्मारक, निजी बिल, बैंक के विवरण पत्र आदि ।</li> <li>3. पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा निजी डाक ।</li> <li>4. स्केनिंग में शामिल न की जाने वाली डाक की सुपुर्दगी सामान्य डाक के रूप में संबंधित कार्यकारी/कर्मचारी को की जाएगी ।</li> </ol>
5.	एमआरवीसी द्वारा डायरीकृत तथा केवल आवरणपत्र /लिफाफे, कवर स्कैन की जाने वाली डाक की सूची	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. भारी अनुलग्नकों सहित कार्यालय के नाम पर प्राप्त डाक (50 पृष्ठों से अधिक)</li> <li>2. निविदा दस्तावेज (टेंडर खुलने के बाद, संबंधित विभाग को निविदा दस्तावेजों को स्कैन तथा डायरीकृत करके संबंधित ई-फाइल में अपलोड करना चाहिए)।</li> <li>3. कर्मचारियों के नाम/पदनाम द्वारा तथा गोपनीय मार्क की गई डाक।</li> </ol>
6.	फैक्स द्वारा प्राप्तियां	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. यह प्रस्तावित है कि फैक्स द्वारा प्राप्त पीएनआर तथा विश्राम गृह में स्थान के लिए आवेदन स्कैन तथा डायरीकृत न किए जाएं । प्राप्तियां दस्ती तौर पर संबंधित विभाग को सौंप दी जाएं ।</li> <li>2. मंत्रालय/राज्य सरकार/रेलवे बोर्ड आदि से फैक्स द्वारा प्राप्त अन्य महत्वपूर्ण डाक स्कैन तथा डायरीकृत की जानी चाहिए ।</li> </ol>
7.	मूल बिलों को प्रस्तुत करने के लिए नीति में परिवर्तन	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. निजी चिकित्सा बिल</li> <li>2. ठेका अस्पतालों से चिकित्सा बिल</li> <li>3. टेलीफोन बिल</li> <li>4. विद्युत बिल, पानी बिल</li> <li>5. संपत्ति कर, लीज बिल</li> <li>6. कॉन्ट्रैक्टर बिल</li> </ol> <p>***यह प्रस्तावित है कि उपर्युक्त बिलों को प्रारंभिक चरण में ई-ऑफिस में शामिल न किया जाए । प्रारंभिक चरण कार्यान्वित होने के बाद ई-ऑफिस के माध्यम से इन बिलों की प्रक्रिया की समीक्षा की जाएगी ।</p>
8.	कार्यालय आदेश	मैनुअल वर्किंग (भौतिक फाइल) से कागजरहित वर्किंग (ई.-ऑफिस) में परिवर्तन के लिए कार्यालय आदेश।
9.	सुरक्षा दस्तावेज	सुरक्षा दस्तावेज जैसे कि बैंक प्रतिभूति, एफडी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए उनके मूल रूप में रखा जाना आवश्यक है । तथापि संबंधित कार्यकारी हार्ड कापी लेखा में भेजने से पूर्व अपनी जानकारी के लिए प्रलेखों को स्कैन करके विभागीय अभिलेख में अपलोड कर सकते हैं ।
10.	डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के लिए नीति	अनुलग्नक -1 के रूप में संलग्न

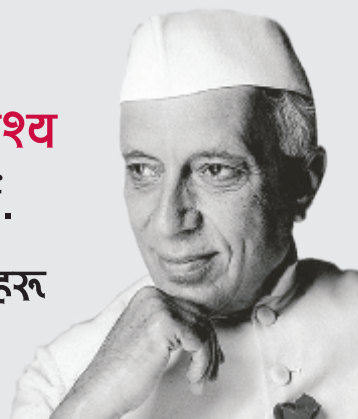


## अनुलग्नक - 1

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड में ई-ऑफिस परियोजना के अंतर्गत डिजिटल हस्ताक्षर के लिए दिशानिर्देश।

1. मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन के सूचना तकनीकी विभाग द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डी.एस.सी.) एक यूएसबी के रूप में जारी किया गया है।
2. डीएससी कर्मचारी के नाम और संगठन के नाम (एमआरवीसी) से संयुक्त रूप से जारी किया जाता है और एमआरवीसी के बाहर भी वैध है। किसी अधिकारी के एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण की स्थिति में वह उसी डीएससी मीडिया को नए स्थान पर उपयोग में ला सकता है।
3. कर्मचारी के एक विभाग से दूसरे विभाग में स्थानांतरण होने पर समान डीएससी मीडिया उपयोग में लाया जाएगा।
4. डीएससी जारी करने की तारीख से दो वर्ष के लिए वैध है। कर्मचारी की सेवानिवृत्ति/अधिवार्षिकी के दौरान डिजिटल हस्ताक्षर रिवोक किए जाएंगे तथा कर्मचारी टोकन अपने पास रख सकते हैं। वे निजी खाते पर नए डिजिटल हस्ताक्षर के लिए आवेदन कर सकते हैं।
5. कर्मचारी एमआरवीसी में अपने कार्यकाल के दौरान अपने निजी कार्य जैसे आयकर विवरणी के लिए भी डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग कर सकते हैं।
6. अधिकारियों द्वारा अनेक विभागों का कार्य करने पर भी समान डीएससी का इस्तेमाल किया जाएगा। ऐसे मामलों में डीएससी मूल विभाग के आधार पर जारी किए जाएंगे।
7. यदि अधिकारी द्वारा डीएससी टोकन खो जाता है तो उसे स्थानीय पुलिस थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट/शिकायत दर्ज करवानी होगी और स्पष्ट रूप से कारण बताते हुए अपने मेम्बर आईडी का उपयोग करके डीएससी को रिवोक करना होगा। नए डीएससी के लिए डीएससी प्रभारों के साथ नया आवेदन करना होगा।
8. डीएससी आवेदन के लिए अनुरोध एमआरवीसी के सूचना तकनीकी विभाग के माध्यम से प्राधिकृत अधिकारी को भेजा जाएगा। आवेदक अथवा उसके विभाग प्रतिनिधि अथवा प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सूचना तकनीकी विभाग से डीएससी एकत्र किए जा सकते हैं।
9. डिजिटल हस्ताक्षरों की वैधिक पवित्रता है तथा किसी दुरुपयोग से बचने के लिए इसका उचित रूप से रख-रखाव किया जाना चाहिए।
10. डीएससी को दुरुपयोग से बचाने के लिए 'पिन' के रूप में सुरक्षा कोड उपलब्ध कराया गया है। अधिकारियों को सुरक्षा कारणों से किसी को भी 'पिन' का खुलासा नहीं करना चाहिए।

असफलता तभी आती है  
जब हम अपने **आदर्श, उद्देश्य**  
**और सिद्धांत** भूल जाते हैं.  
- जवाहरलाल नेहरू



## कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व व संपोषणीयता (सीएसआर व एस)



‘पुनर्वास व पुनर्स्थापित’ क्षेत्र के निवासियों के लिए मानखुर्द व गोवंडी में एमआरवीसी द्वारा संचालित स्वास्थ्य इकाइयों की लोकप्रियता को देखते हुए एमआरवीसी द्वारा इन इकाइयों का कार्यकाल अगले 1 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। आइये आपको अवगत कराते है वर्ष 2015 के मार्च माह में अबतक इन स्वास्थ्य इकाइयों द्वारा की गई गतिविधियों से।

मार्च, 2015 से अब तक नटवर पारिख कंपाउंड, गोवंडी स्थित स्वास्थ्य इकाई पर कुल 8687 मरीजों का इलाज किया एवं लल्लू भाई कम्पाउंड, मानखुर्द स्थित स्वास्थ्य इकाई पर 14963 मरीजों का इलाज किया गया। इसके



अलावा मार्च, 2015 में लल्लूभाई कम्पाउंड स्थित फिजिओथैरेपी एवं विकलांगता स्वास्थ्य विभाग में कुल 119 मरीजों को चिकित्सा उपलब्ध करवाई गई। “डॉक्टर्स फॉर यू” के कर्मचारियों द्वारा ‘पुनर्वास व पुनर्स्थापित’ क्षेत्र में कुल 57 घरों का भ्रमण कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ संबंधित जानकारी उपलब्ध करवायी एवं स्वास्थ्य ईकाई के बारे में बताया इसके साथ ही पांच वर्ष से कम आयु के कुल 106 बच्चों को स्वास्थ्य इकाइयों द्वारा बिना मूल्य न्यूट्रिशन सप्लीमेंट प्रदान दिए गए।

दिनांक 24 मार्च को विश्व क्षयरोग दिवस मनाया जाता है। इस उपलक्ष में “डॉक्टर्स फॉर यू” द्वारा 23 से 28 मार्च तक “क्षयरोग जागरूकता सप्ताह” का आयोजन किया गया जिसमें स्ट्रीट प्ले, ग्रुप चर्चा, रैली, पर्चे वितरण इत्यादि आयोजित किए गए।





अप्रैल 2015 में फिजियोथैरेपी विभाग द्वारा कुल 29 मरीजों का इलाज किया गया तथा विकलांगता स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुल 13 मरीजों का उपचार किया गया। पांच वर्ष से कम आयु के 118 बच्चों को निःशुल्क न्यूट्रिशन सप्लीमेंट दिया गया एवं कुल 436 बच्चों का टीकाकरण किया गया। 'पुनर्वास व पुनर्स्थापित' क्षेत्र के 32 घरों में "डॉक्टर फॉर यू" द्वारा विजिट की गई। जिसमें उन्हें स्वास्थ्य इकाई के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही इस माह में टाटा नगर के लिए टीकाकरण के लिए सर्वे पूरा कर लिया गया है।



मई, 2015 के दौरान फिजियोथैरेपी विभाग में 84 लोगों का इलाज किया गया। 5 वर्ष से कम आयु के कुल 90 बच्चों को न्यूट्रिशन सप्लीमेंट दिये गये। दिनांक 7 व 19 मई 2015 को 'डॉक्टर फॉर यू' द्वारा 'पुनर्वास व पुनर्स्थापित' क्षेत्र साठे नगर व टाटा नगर, मानखुर्द में दंत निरीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित लोगों को टूथपेस्ट भी बांटे गए।



पुनर्स्थापन व पुनर्वास क्षेत्र के बच्चों में मनोरंजन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 'डॉक्टर फॉर यू' ने "खुला आसमान" संस्था के साथ मिलकर एक ट्रेनिंग सेशन का आयोजन किया ताकि बच्चों के अंदर छपी हुई प्रतिभा को बाहर निकाला जा सके।





जून, 2015 में फिजियोथैरेपी विभाग में 94 लोगों का इलाज किया गया। 5 वर्ष से कम आयु के कुल 45 बच्चों को न्यूट्रिशन सप्लीमेंट दिए गए। दिनांक 18 जून, 2015 को 'डॉक्टर फॉर यू' द्वारा स्कूल हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया, इसमें मुख्यतः कचरा जमा करने वालों के बच्चों को प्राथमिकता दी गई। इस कैम्प में 55 बच्चों ने हिस्सा लिया।



दिनांक 23 जून, 2015 को 'डॉक्टर फॉर यू' द्वारा लल्लू भाई कम्पॉउंड हेल्थ सेंटर पर 30 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए बोनमेरो डेंसिटी (बीएमडी) चेकअप शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 100 महिलाओं ने हिस्सा लिया। 70% महिलाओं में कैल्शियम की कमी पाई गई। चेकअप के उपरांत सभी महिलाओं के लिए डाइटिशियन द्वारा उचित भोजन उचित समय पर लेने की सलाह दी गई। जिन महिलाओं में कैल्शियम की कमी पाई गई उन्हें कैल्शियम सप्लीमेंट दिए गए।



जुलाई, 2015 के दौरान नटवर पारिख कम्पौंड हेल्थ सेंटर में 1329 लोगों का इलाज किया गया एवम लल्लू भाई कम्पौंड हेल्थ सेंटर में 2650 लोगों का इलाज किया गया। फिजियोथैरेपी विभाग में 70 लोगों का इलाज किया गया। 5 वर्ष से कम आयु के कुल 127 बच्चों को न्युट्रिशन सप्लीमेंट दिए गए।

दिनांक 1 जुलाई, 2015 से 30 जुलाई, 2015 के बीच 'डॉक्टर फॉर यू' द्वारा 4 स्कूल हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया इन कैम्पों में कुल 345 बच्चों ने हिस्सा लिया। इन कैम्पों में सामान्य हेल्थ चेकअप, दंत निरीक्षण, स्किन इंफेक्शन पेट में कीड़े, विटामिन की कमी आदि की जाँच की गई।



इसके अतिरिक्त दिनांक 3 जुलाई, 2015 को नटवर पारिख कम्पौंड हेल्थ सेंटर में दंत निरीक्षण कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें 48 महिलाओं व पुरुषों ने भाग लिया। इसी के साथ दिनांक 16 व 30 जुलाई, 2015 को स्किन निरीक्षण ओ.पी.डी. का आयोजन किया गया, जिसका लाभ 61 लोगों ने उठाया।



“खुला आसमान” संस्था ने ‘पुनर्वास व पुनर्स्थापित’ क्षेत्र के बच्चों के लिये दिनांक 25 जुलाई, 2015 को ‘प्ले फॉर पीस’ नाटक द्वारा हॉइजिन की शिक्षा प्रदान की। इस गतिविधि में रिकार्ड 176 बच्चों ने हिस्सा लिया।





अगस्त, 2015 में एमआरवीसी स्वास्थ्य ईकाई द्वारा मालनरिशड बच्चों के लिए न्यूट्रिशनल रिहेबिलिटेशन एण्ड ट्रीटमेंट शुरू किया जिसके पहले चरण में “डॉक्टर फॉर यू” की टीम ने एम(पूर्व) वार्ड के आंगनवाडी सेंटर पर जाकर बच्चों की जाँच की और 87 ऐसे बच्चों को पाया जो इस बीमारी से ग्रस्त थे। इन बच्चों की माताओं से मिलकर उन्हें जानकारी उपलब्ध करायी गयी एवं फूड सप्लीमेंट प्रदान किये गये।



1 सितम्बर, 2015 को “डॉक्टर फॉर यू” की टीम द्वारा अम्बेडकर नगर, मानखुर्द में न्यूट्रिशन प्रमोशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 52 आंगनवाडी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। 22 सितम्बर, 2015 को करुणा ट्रस्ट द्वारा रफीक नगर, गोवंडी के कचरा बीनने वालों के बच्चों हेतु संचालित स्कूल में “डॉक्टर फॉर यू” की टीम ने हेल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन किया। जिसमें 64 बच्चों का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया।





दिनांक 3 अक्टूबर, 2015 को विश्व शांति दिवस के अवसर पर डॉक्टर फॉर यू की टीम द्वारा रैली का आयोजन किया गया एवं 'खुला आसमान' की टीम द्वारा लल्लूभाई कम्पाउंड के बच्चों को सम्मिलित करके उनके लिए स्ट्रीट प्ले का आयोजन किया गया।

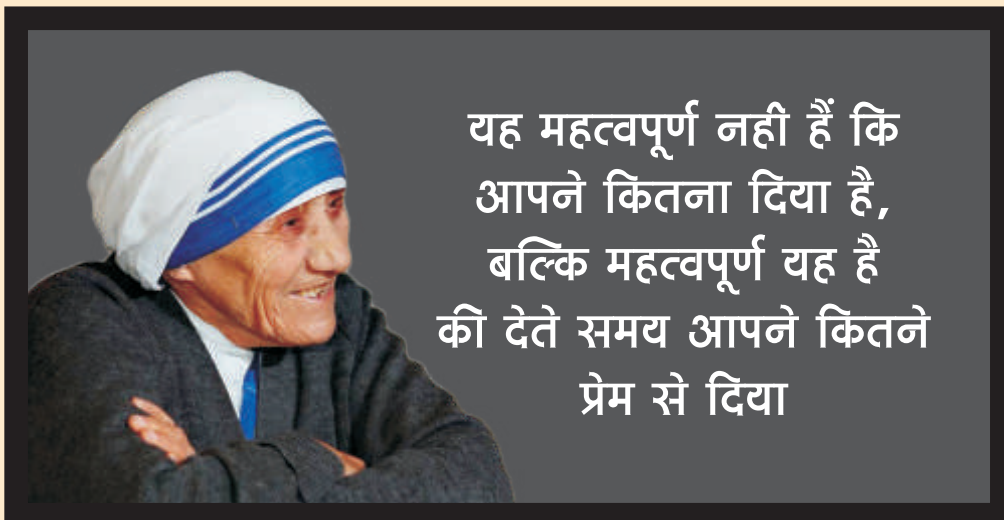


दिनांक 16 अक्टूबर, 2015 को डॉक्टर फॉर यू की टीम ने एमआरवीसी स्वास्थ्य इकाई, लल्लूभाई कम्पाउंड, मानखुर्द पर हीमोग्लोबिन व एनिमिया परीक्षण कैम्प का आयोजन किया जिसका उद्घाटन श्री प्रभात सहाय, अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक, एमआरवीसी द्वारा किया गया। इस कैम्प में कुल 85 लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें 45 लोगों में एनिमिया पाया गया।





दिनांक 16.10.2015 को अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक महोदय ने लल्लूभाई कंपाउंड स्थित एमआरवीसी स्वास्थ्य ईकाई का दौरा किया एवं आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर निदेशक (परियोजना), निदेशक (वित्त), वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी, महाप्रबंधक (संकेत/दूरसंचार) मुख्य कार्मिक अधिकारी भी उपस्थित थे। समारोह में अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक महोदय द्वारा मालन्युट्रीशन से ग्रस्त बच्चों को न्यूट्रीशन सप्लीमेंट वितरित किया गया। सिलाई व कढ़ाई के बैच 3 व 4 के प्रशिक्षणार्थियों को, मेंहदी प्रशिक्षणार्थियों को एवं “डॉक्टर फॉर यू” के बेस्ट एम्प्लॉइस् को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



## कौशल क्षमता प्रशिक्षण (वोकेशनल ट्रेनिंग)

1. **हेल्थ असिस्टेंट ट्रेनिंग:-** एमआरवीसी द्वारा युवा महिलाओं एवं पुरुषों के लिए लल्लूभाई स्थित स्वास्थ्य ईकाई पर हेल्थ असिस्टेंट ट्रेनिंग दिनांक 15 अप्रैल 2015 से प्रारंभ किया गया है। इस ट्रेनिंग के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को मरीज की देखभाल करना, अस्पताल मैनेजमेंट बेसिक नर्सिंग देखभाल, गर्भवती महिला व नवजात शिशु की देखभाल व समुदाय में पहुँच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। 6 माह का यह प्रशिक्षण 15 नवम्बर को पूर्ण हो गया।





2. **मेहंदी क्लास** : नटवर पारिख स्थित स्वास्थ्य इकाई पर महिलाओं के लिए मेहंदी क्लास का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम बैच प्रशिक्षण दिनांक 06 अप्रैल 2015 से शुरू होकर 5 जून 2015 को समाप्त हुआ, जिसमें 38 महिलाओं ने पूर्ण उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया व प्रशिक्षण पूर्ण किया। इस लोकप्रियता को देखते हुए लल्लूभाई कम्पाउंड स्थित स्वास्थ्य इकाई पर भी मेहंदी प्रशिक्षण का आयोजन दिसम्बर 2015 से प्रारंभ कर दिया गया है। जिसमें 20-20 महिलाओं के 2 बैच में कुल 40 महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।



3. **डिलिवरी एक्सिक्युटिव का प्रशिक्षण**: एमआरवीसी ने 'पुनर्वास व पुनर्स्थापित' क्षेत्र के युवाओं के लिए डेज़ाव्यु स्किल लर्निंग व ट्रेनिंग प्रा.लि. के सहयोग से डिलिवरी एक्सिक्युटिव का हाई-टेक प्रशिक्षण दिनांक 2.11.2015 से एमआरवीसी हेल्थ सेंटर, लल्लूभाई कम्पाउंड, मानखुर्द पर 30 प्रशिक्षणार्थियों के साथ शुरू किया गया। यह प्रशिक्षण 45 दिनों का है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षणार्थियों को एमआरवीसी की ओर से टेबलेट भी उपलब्ध कराए गये हैं।



एमआरवीसी का प्रण है कि 'कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व' के तहत 'पुनर्वास व पुनर्स्थापित' क्षेत्र के लोगों का उत्थान निरंतर जारी रहेगा

## स्कूल में सीएसआर गतिविधि

एमआरवीसी की तीसरी सीएसआर बोर्ड मीटिंग में यह निश्चित किया गया कि सीएसआर गतिविधि को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए स्कूल तक पहुँचाना चाहिए। इसके लिए देवनार कॉलोनी बी एम सी स्कूल।।, लल्लूभाई कम्पॉउंड, मानखुर्द को चुना गया। जिसमें पहले चरण में स्कूल के पुस्तकालय हेतु 139 किताबें उपलब्ध कराई गईं, जो कि वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी (एसपीओ) व कम्पनी सेक्रेटरी (सीएस) के माध्यम से दिनांक 14 अगस्त, 2015 को प्रदान की गई। पुस्तकें पाकर बच्चे बहुत प्रसन्न हुए एवम बताने लगे कि ऐसी पुस्तकें उन्होंने पहले कभी देखी तक नहीं।



पुस्तकें उपलब्ध करवाने के लिए स्कूल प्रशासन व बच्चों ने एमआरवीसी का हृदय से आभार व्यक्त किया। दिनांक 3 सितम्बर, 2015 को मुख्य कार्मिक अधिकारी / वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी मैडम ने स्कूल का दौरा किया एवं शिक्षकों व बच्चों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी बेसिक आवश्यकताओं को उपलब्ध कराने का प्रयत्न किया जायेगा एवं स्कूल में साफ-सफाई की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी।



दिनांक 16.10.2015 को अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक महोदय द्वारा देवनार कॉलोनी बीएमसी स्कूल।।, लल्लूभाई कम्पाउंड, मानखुर्द को सी एस आर गतिविधि के तहत 2 कंप्यूटर व साउंड सिस्टम प्रदान किया। इस अवसर पर निदेशक (परियोजना), निदेशक (वित्त), वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी, महाप्रबंधक (संकेत/दूरसंचार) मुख्य कार्मिक अधिकारी भी उपस्थित थे, स्कूल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए तथा अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक महोदय ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।





## इन हाऊस ट्रेनिंग

कार्मिक, जन शिकायत व पेंशन मंत्रालय के आदेशों का अनुपालन करते हुए एमआरवीसी ने दिनांक 19.03.2015, दिनांक 26.03.2015 एवं दिनांक 09.04.2015 को कर्मचारियों के लिए इन हाऊस ट्रेनिंग का आयोजन किया। दिनांक 19.03.2015 को माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल के बारे में विस्तृत जानकारी प्रेजेन्टेशन के माध्यम से उपलब्ध कराई गई। दिनांक 26.03.2015 एवं दिनांक 09.04.2015 को इन हाऊस ट्रेनिंग के तहत कर्मचारियों को प्रेजेन्टेशन के माध्यम से माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एवं माइक्रोसॉफ्ट एक्सेस की उपयोगिता एवं उसमें कार्य करने के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध कराई गई। ट्रेनिंग के दौरान कर्मचारियों द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों / शंकाओं का निवारण किया गया।



## मराठी भाषा प्रशिक्षण

एमआरवीसी, रेल मंत्रालय एवं महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से मुंबई में अपनी परियोजनाओं को कार्यान्वित करता है जिसके तहत अधिकारियों/ कर्मचारियों को महाराष्ट्र सरकार व एमएमआरडीए के अधिकारियों/ कर्मचारियों तथा मंत्रियों से सम्पर्क करना होता है, इसी तथ्य को ध्यान में रखकर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक के प्रयास से दिनांक 08 सितम्बर, 2015 से मराठी भाषा के कार्य साधक ज्ञान हेतु प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। जो कि प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को एमआरवीसी के सभा कक्ष में आयोजित किया जाता है, इस प्रशिक्षण के लिए अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, निदेशक (परियोजना), निदेशक (वित्त) व विभागाध्यक्षों सहित कुल 30 अधिकारियों को पहले बैच हेतु नामित किया गया। मराठी प्रशिक्षण एमआरवीसी के सभी अमराठी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 3 माह की अवधि के 3 बैचों में उपलब्ध कराया जायेगा।



## हिंदी वर्तनी की अशुद्धियाँ

वर्तनी का सामान्य अर्थ है वर्ण विन्यास, अंग्रेजी में इसे 'स्पेलिंग' और उर्दू में हिज्जे कहा जाता है। किसी भाषा का कोई सार्थक शब्द किसी वर्णमाला में जिस वर्णानुक्रम में लिखा जाता है, उसे वर्तनी कहते हैं। हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। अतः हिंदी वर्तनी का तात्पर्य है उस शब्द को उपयुक्त देवनागरी वर्णानुक्रम में लिखना।

वर्तनी की एकरूपता भाषा की शुद्धता के लिए परमावश्यक है। वर्तनी का संबंध लिखित भाषा से है। अतः वर्तनी की अशुद्धि होने पर अर्थ का अनर्थ होने की संभावना रहती है। वर्तनी की शुद्धता बहुत कुछ शब्द के उच्चारण पर निर्भर है। अतः शब्द का उच्चारण यदि गलत रूप में लिखा जाएगा, तो उसकी वर्तनी भी गलत ही लिखी जाएगी।

वर्तनी की समस्याएं हर जीवंत भाषा में होती हैं। यहाँ तक कि संस्कृत जैसी सुव्यवस्थित एवं 'पाणिनि' द्वारा व्याकरणबद्ध की गई भाषा में भी कई शब्दों की वर्तनी द्विविध रूपों में प्रचलित है। हिंदी वर्तनी पर विचार करते समय हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि भले ही हिंदी का विकास संस्कृत से हुआ हो, तथापि हिंदी एक स्वतंत्र भाषा है, उसकी अपनी स्वतंत्र प्रवृत्ति है और अपना स्वतंत्र व्याकरण है। अतः संस्कृत का अनुकरण हिंदी के लिए अनिवार्य नहीं है। संस्कृत में 'देवता' स्त्रीलिंग है, परंतु हिंदी में उसे पुल्लिंग माना गया है। इसी प्रकार महान्, जगत् शब्द संस्कृत में शुद्ध हैं, किंतु हिंदी में ये अशुद्ध ही माने जाएंगे। हिंदी में इनके शुद्ध रूप क्रमशः महान, जगत ही है, जिन पर हलन्त नहीं लगता है। वर्तनी की अशुद्धियों के प्रमुख कारण हिंदी में वर्तनी संबंधी जो अशुद्धियाँ प्रायः देखी जाती हैं उनके प्रमुख कारण इस प्रकार बताए जा सकते हैं -

**1. उच्चारण की अशुद्धता** - शुद्ध उच्चारण की जानकारी न होने के कारण बहुत से लोग शब्द का गलत उच्चारण करते हैं। जब उच्चारण गलत होगा तो उसे गलत ही लिखा जाएगा। अतः वर्तनी की शुद्धता के लिए शुद्ध उच्चारण परमावश्यक है। यहाँ कुछ ऐसे शब्द दिए जा रहे हैं, जो अशुद्ध उच्चारण के कारण गलत वर्तनी में प्रायः लिखे जाते हैं।

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
सहस्र	सहस्र	अध्यन	अध्ययन
व्यवहारिक	व्यावहारिक	श्राप	शाप
विद्यार्थी	विद्यार्थी	आधीन	अधीन
निर्दयी	निर्दय	गोधूली	गोधूलि
मंजू	मंजु	मधू	मधु

**2. व्याकरणिक अज्ञानता** - हिंदी में वर्तनी संबंधी अधिकांश त्रुटियाँ व्याकरणिक अज्ञानता के कारण होती हैं। लोगों को संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय आदि की सटीक जानकारी नहीं होती परिणामतः वर्तनी संबंधी भूलें हो जाती हैं। यहाँ इस प्रकार के कुछ अशुद्ध शब्द दिए जा रहे हैं जिनकी अशुद्धता मूलतः व्याकरणिक अज्ञानता के कारण होते हैं।:-

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
उज्वल	उज्ज्वल	मंत्रीमंडल	मंत्रिमंडल
लघूत्तरीय	लघु उत्तरीय	प्राणीमात्र	प्राणिमात्र
कवियत्री	कवयित्री	अधिकारिक	आधिकारिक
निर्धनी	निर्धन	निस्वार्थ	निःस्वार्थ
उपरोक्त	उपर्युक्त	तदोपरांत	तदुपरांत
शृष्टि	सृष्टि	सृष्टा	स्रष्टा
दृष्टव्य	द्रष्टव्य	अनुग्रहीत	अनुगृहीत
अध्यात्मिक	आध्यात्मिक	तत्कालिक	तात्कालिक

### 3. मात्रा संबंधी अशुद्धियां

हिंदी वर्तनी में मात्रा संबंधी अशुद्धियां बहुत अधिक होती हैं। प्रायः इस प्रकार की गलतियाँ शब्द का सही उच्चारण न करने के कारण होती हैं। यहाँ कुछ ऐसे शब्द दिए जा रहे हैं जिनमें मात्रा संबंधी त्रुटियां अधिक देखी गई हैं।

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
कालीदास	कालिदास	वाल्मीक	वाल्मीकि
युधिष्ठिर	युधिष्ठिर	पाणिनी	पाणिनि
कवियत्री	कवयित्री	मैथिलीशरण	मैथिलीशरण
नायका	नायिका	विरहणी	विरहिणी
वापिस	वापस	मंजू	मंजु

## हिंदी टाइपिंग टूल: आईएमई

आईएमई यानी इनपुट मैथड एडिटर। यह आपके कंप्यूटर में अलग अलग की-बोर्ड ले-आउट का इस्तेमाल करते हुए टाइपिंग की सुविधा जोड़ देता है - जैसे कि इंस्क्रिप्ट, ट्रांसलिटरेशन एवं रेमिंग्टन की-बोर्ड। अब आपकी मर्जी है कि आप इन में से किस की-बोर्ड को चुन कर हिंदी टाइपिंग करते हैं। आईएमई आपरेटिंग सिस्टम का ही हिस्सा है जो कंप्यूटर प्रयोक्ताओं को मानक की-बोर्ड के जरिए जटिल वर्णों और चिन्हों को टाइप करने की सुविधा देता है। यदि हम माइक्रोसॉफ्ट आफिस /वर्डपैड/नोटपैड के किसी अनुप्रयोग (एप्लीकेशन) में भारतीय भाषाओं जैसे कि हिंदी, कन्नड़, मलयालम, तमिल, गुजराती या बंगला में टाइप करना चाहते हैं तो हमें आईएमई की जरूरत होगी।

नए कंप्यूटर प्रयोक्ता, जिन्हें टाइपिंग का काफी काम करना पड़ता है, वे थोड़े से अभ्यास से इंस्क्रिप्ट की-बोर्ड सीखें। इस पर काम करना आसान है और यह आदर्श की-बोर्ड ले आउट है। जिन प्रयोक्ता को थोड़ा बहुत हिंदी का टाइप करना हो और वे हिंदी टाइपिंग नहीं जानते हैं, ऐसे प्रयोक्ता के लिए ट्रांसलिटरेशन की-बोर्ड ठीक रहेगा तथा जो प्रयोक्ता पहले से ही हिंदी टाइपराइटर पर टाइपिंग सीखे हों, वे रेमिंग्टन की-बोर्ड का उपयोग करके हिंदी यूनिकोड में काम कर सकते हैं।

इंटरनेट पर आईएमई के कई वर्जन उपलब्ध हैं जैसे कि <http://bhashaindia.com> पर माइक्रोसॉफ्ट आईएमईए <http://baraha.com> पर बरहा, <http://cafehindi.com> पर कैफे हिंदी आदि....इन सभी में उपर्युक्त तीनों टाइप के की-बोर्ड उपलब्ध हैं। फिर भी हम आपको <http://bhashaindia.com> पर उपलब्ध माइक्रोसॉफ्ट आईएमई डाउनलोड करके उस पर काम करने के लिए कहेंगे, क्योंकि यह माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित ऑपरेटिंग सिस्टम विंडोज के लिए आदर्श रहेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 2000 एवं एक्सपी के लिए इंडिक इनपुट 1 एवं 2 तथा विंडोज 7 और 8 के लिए इंडिक इनपुट 2 एवं 3 बनाया है। अब तो मार्केट में विंडोज 10 भी आ गया है, जिस पर इंडिक इनपुट 3 आसानी से काम करेगा।

विंडोज एक्सपी में इंडिक इनपुट 1 या 2 को इंस्टाल करने के लिए सबसे पहले <http://bhashaindia.com> से इंडिक इनपुट 1 या 2 को डाउनलोड करके उसकी जिप फाइल को खोलें, तत्पश्चात उसका सेटअप चलाएं। प्रक्रिया पूरी होने पर कंट्रोल पैनल के Regional and Language ऑप्शन में language के Details टैब पर क्लिक करें। इससे Text services and input language बॉक्स खुलेगा। यहाँ दिए गए - Add टैब पर क्लिक करें। अब खुलने वाले Add input language बॉक्स में input language के रूप में हिंदी और उसके नीचे दिए गए Keyboard layout/IME में चेक करने पर आईएमई की सूची दिखने लगेगी। आप हिंदी इंडिक आईएमई को सेलेक्ट करके ओके बटन दबा दें। तत्पश्चात् आपका कंप्यूटर रीस्टार्ट होगा।

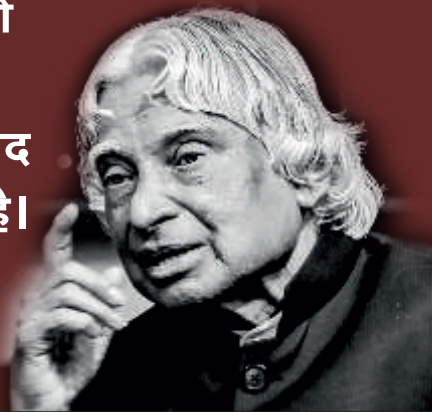


रीस्टार्ट होने के बाद टास्क बार में लैंग्वेज बार पर क्लिक करके हिंदी सेलेक्ट कर लिया जाता है। सेलेक्ट करने पर आईएमई का टूलबार खुलेगा, इसमें तीनों टाइप के की-बोर्ड दिखाई देंगे। अब आप अपनी सुविधानुसार किसी एक की-बोर्ड का चुनाव करके हिंदी यूनिकोड में काम कर सकते हैं। इसी प्रकार विंडोज 7 एवं 8 में भी इंडिक इनपुट 2 या 3 इंस्टाल करके हिंदी यूनिकोड में काम किया जा सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण एवं आवश्यक बात - आईएमई इंस्टाल करने के पूर्व अपने कंप्यूटर में हिंदी यूनिकोड अवश्य सक्रिय कर लें, वरना बिना हिंदी यूनिकोड सक्रिय किए यह टूल काम नहीं करेगा। एक बात और, यह माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के सभी प्रोग्रामों में काम कर सकता है, परंतु अभी यह एडोब के प्रोग्राम जैसे - पेजमेकर अथवा फोटोशॉप आदि को सपोर्ट नहीं करता है। इसलिए उन प्रोग्रामों पर काम नहीं करे तो परेशान होने की जरूरत नहीं है।

**राजभाषा का सम्मान,  
देश का सम्मान है।**

**इंसान को कठिनाइयों की  
आवश्यकता होती है  
क्योंकि सफलता का आनंद  
उठाने के लिए ये ज़रूरी है।  
- अब्दुल कलाम**



## ॥ मरम्मत गई तेल लेने ॥

गहन परिचालन वाले क्षेत्र का मूल आधार है परिसम्पत्तियों की उचित समय पर मरम्मत होना। यदि परिसम्पत्तियों का रख-रखाव व मरम्मत पर्याप्त नहीं होते हैं तब समयपालन से लेकर दुर्घटनाओं तक की परिस्थिति आ जाती है। अतएव सुचारू रूप से परिचालन हेतु मरम्मत कार्य निर्धारित पद्धति के अनुसार होना अत्यावश्यक है।

मुंबई महानगर के रेलवे क्षेत्र के मंडलों के पास, चाहे वह पश्चिम रेलवे हो या फिर मध्य रेलवे, निर्धारित अवधि के मरम्मत कार्य करने हेतु पर्याप्त समय उपलब्ध नहीं है। इसका मूल कारण यह है कि गहन परिचालन के बाद शायद ही कोई समय शेष रह पाता हो जिसमें निर्धारित मरम्मत की जा सके। विशेष बात यह है कि ब्लॉक में किए जाने वाले कार्य की तैयारी में दिन भर लग जाता है जबकि ब्लॉक मिलता है केवल बीस से चालीस मिनट के लिए। इस लघुकालिक अवधि के अन्तराल में कौनसा मरम्मत कार्य या नया निर्माण कार्य किया जा सकता है?

यदि कार्य को पूर्ण या आंशिक पूर्ण करना हो तो गाड़ियों की रुकौनी हो जाएगी या फिर बढ़कर न्यून अंतराल में पीछे से आने वाली गाड़ियों पर दीर्घ कालिक प्रभाव पड़ेगा। एक बार जब गाड़ियों के समयपालन पर प्रभाव पड़ जाता है तो लगातार दो या तीन घंटों तक चलता रहता है या फिर दिन भर भी चलता रहता है। इन सब समस्याओं का एक मूल कारण है, उपनगरीय गाड़ियों की बहुतायत। दिवस में भी कोई मरम्मत कार्य को हाथ में लेने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है और रात में जो समय सारीणी में दिया गया मरम्मत कोरिडोर ब्लॉक समय भी सम्पूर्ण रूप से मिल नहीं पाता है। यहाँ तक की छुट-पुट मरम्मत कार्य भी हाथ में लेने के लिए खंड नियंत्रक से सूक्ष्म चर्चा करने के बाद ही शायद मिल पाता है।

मुंबई क्षेत्र के बाहर के मंडलों में ऐसी बात नहीं है। वहाँ मरम्मत कार्य करने को पर्याप्त समय मिल जाता है और ब्लॉक निर्धारित अवधि के लिए उपलब्ध हो जाते हैं। कभी कभार गाड़ियाँ यदि विलंब से चल रही हों तो बात दूसरी है, अन्यथा मुंबई क्षेत्र की जैसी समस्याएँ या परिस्थितियाँ वहाँ नहीं हैं।

कई कारण हैं जिन के चलते मरम्मत ब्लॉक नहीं उपलब्ध हो पाते हैं या फिर निर्धारित कार्य ब्लॉक समय में पूर्ण नहीं हो पाता है। इन में से जो मुख्य कारण हैं वे निम्नलिखित हैं:

1. गाड़ियों का अपने निर्धारित समय से बाहर पाथ पर चलना
2. टॉवर वैगन का समय पर उपलब्ध नहीं होना, या फिर यार्ड में अन्य वाहनों के मध्य फंस जाना।
3. उपयुक्त क्षमता वाली क्रेन का साइट पर न पहुँच पाना।
4. क्रेन की बीपीसी इनवालिड हो जाना।
5. स्वचलित ब्लॉक खंड होने के कारण, दो-दो लोको लगते हैं। समय पर दोनो लोको का उपलब्ध नहीं करा पाना।
6. यदि सब कुछ सम्भव हो जाए तब, ठेकेदार के कर्मचारियों की अनुपस्थिति या फिर न्यूनता।
7. सामग्री का सही समय और वांछित स्थान पर उपलब्ध नहीं हो पाना वगैरह- वगैरह।

मरम्मत कार्य की जब बात हो रही हो तब मुंबई क्षेत्र के डी.सी कर्षण की प्रणाली की चर्चा बहुत महत्वपूर्ण है। डी.सी कर्षण प्रणाली को कार्य में लाए हुए लगभग सौ वर्ष पूर्ण हुए हैं। इस प्रणाली में गाड़ियों को तो समय पर चलाया जाता रहा है पर कठिनाइयों से भरा रहा है परिचालन। डी.सी कर्षण प्रणाली की मुख्य कठिनाइयाँ निम्नलिखित हैं:

1. विश्व की सबसे पुरानी कर्षण प्रणाली है।
2. लगभग प्रत्येक कि.मि. में सबस्टेशन रखना पड़ता है, जोकि ए.सी. कर्षण में 50 कि.मी है।
3. क्रॉस टाइप ओ.एच.ई जोकि दैनिक मरम्मत में कष्टदायक होती है।
4. अनरेग्युलेटेड कॉन्टैक्ट तथा क्यटरनरी तारों के चलते ओ.एच.ई की प्रोफाइल उचित नहीं होती है, जिसके कारण अत्यधिक ध्यान देना पड़ता है और बार-बार टुकड़ों में बदलना पड़ता है।
5. गहन रख-रखाव वाली प्रणाली है।
6. ओ.एच.ई. को असिमयिक रद्दो-बदल करना पड़ता है।

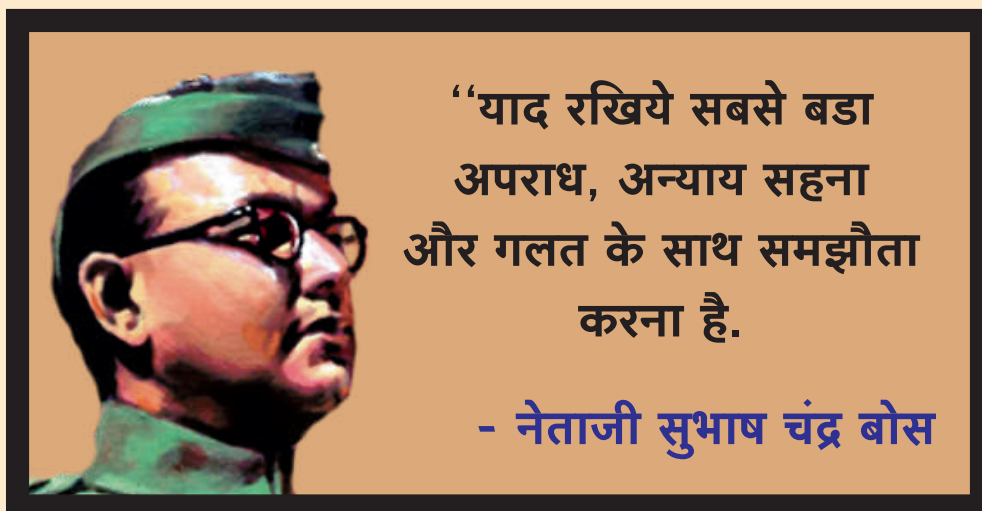


किंतु उपरोक्त कठिनाइयों के बावजूद, रेल कर्मचारी हार नहीं मानते हैं। कई परियोजनाओं को इन सभी समस्याओं को झेलते हुए भी पूरा किया गया है। इन में से डी.सी. से ए.सी परिवर्तन कार्य का पूर्ण करना एक महत्वपूर्ण परियोजना है। डी.सी. से ए.सी परिवर्तन परियोजना की मंजूरी सन 1996-97 में मिली थी जिस समय इसकी अनुमानित लागत रु. 654 करोड़ थी। इस परियोजना में मार्च 2015 तक अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुका है, और हार्बर लाइन का काम जारी है। अब इसकी संशोधित लागत रु. 1,300 करोड़ हो गई है। इस परियोजना में 1680 ट्रेक की.मी. की लम्बाई में डी.सी. कर्षण को ए.सी. कर्षण में परिवर्तित किया गया, जोकि एक चुनौती भरा कार्य है और ऐतिहासिक भी।

ए.सी कर्षण के पूर्णतय: लागू हो जाने से लगभग रु.200 करोड़ की वार्षिक बचत होने का अनुमान है और यह भी अनुमानित है कि परियोजना के उत्पादकता वर्षों में यह प्रणाली अपनी कार्य लागत की पूंजी को अदा कर देगी। साथ ही मरम्मत करने में सुविधाओं का प्रावधान भी मिलेगा। यदि व्यंग्य कसना हो तो यह कहा जा सकता है कि अब मरम्मत को तेल लेने जाने की आवश्यकता नहीं है, पाँचों उंगलियाँ घी में और सर कढ़ाई में। पूंजी की बचत ही बचत और समय पालन तथा मरम्मत सुविधाओं में विस्तार।

\*\*\*\*\*

**शरद कुमार मिश्र,**  
उप मुख्य परिचालन प्रबंधक



## योग दिवस

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है तथा इस वर्ष दिनांक 21.06.2015 को भारत के प्रधान मंत्री द्वारा देश की राजधानी दिल्ली में राजपथ पर प्रथम योग दिवस मना कर इसकी शुरुआत की गई। भारत के अलावा कई अन्य देशों ने भी इस दिन योग साधना करके योग को अपनाया है। भारत द्वारा लाए गए प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पारित किया। 193 सदस्य देशों ने प्रत्येक वर्ष योग दिवस मनाने का निश्चय किया है। आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में 84 देशों के 35985 लोगों ने योगाभ्यास किया। प्रधान मंत्री ने दो स्मारक सिक्कों और एक स्मारक डाक टिकट का लोकार्पण किया।

योग का शाब्दिक अर्थ है जोड़ अर्थात् आत्मा को परमात्मा से जोड़ने की क्रिया। प्राचीन काल में ऋषि मुनि समाज कल्याण के लिए समाज के बाहर रह कर योग किया करते थे। पद्मासन की मुद्रा में बैठने और ईश्वर का ध्यान करने की क्रिया ही योग कहलाती थी। लेकिन अब योग को व्यापक अर्थ में लिया जाता है। विभिन्न प्रकार की मुद्राओं और आसनों में किए गए शारीरिक व्यायाम को योग कहा जाता है। कुछ प्रमुख आसनों के नाम जानकारी हेतु नीचे दिए जा रहे हैं:-

- |                   |                |
|-------------------|----------------|
| 1. सूर्य नमस्कार. | 2. पद्मासन     |
| 3. धनुरासन        | 4. कुक्कुट आसन |
| 5. मयूर आसन       | 6. गरुड़ आसन   |
| 7. मकर आसन        | 8. वज्र आसन    |
| 9. सुखासन         | 10. शीर्ष आसन  |

आप अपनी शारीरिक क्षमता और प्रकृति के अनुरूप सुविधानुसार कुछ आसन चुन सकते हैं। योग प्रातः काल में सूर्योदय के समय किया जाए तो अधिक लाभकारी होता है। योग खाली पेट नहीं करना चाहिए। ये आसन कई प्रकार के होते हैं। इनमें से कुछ तो सरल होते हैं और आसानी से किए जा सकते हैं किंतु कुछ अत्यंत कठिन होते हैं और बिना मार्गदर्शक के करने पर स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचने की संभावना होती है। अतः योग प्रारंभ करते समय चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। योग बच्चे, बूढ़े और युवाओं के लिए समान रूप से लाभकारी है अतः सभी उम्र के लोगों द्वारा किया जा सकता है।

प्रति दिन नियमित रूप से योगासन करने से धमनियों में रक्त का संचार भली भांति होने लगता है। पाचन शक्ति बढ़ जाती है, इससे शरीर सुदृढ़ और बलिष्ठ होता है। शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने पर मानसिक शांति मिलती है। इसीलिए कहा गया है कि योग संभावनाओं को संभव बनाता है।

**प्रदीप कुमार**

राजभाषा अधिकारी, एमआरवीसी



## ॥ रवि का वरदान ॥

तुम ले रवि का वरदान चली हो, हमें अंजुली भर उजियारा दो ।

इस जीवन में हैं प्रगति नहीं, थम जाते हैं बस पल-पल में  
आगे बढ़ने की युक्ति नहीं, फंस जाते हैं बस दल-दल में  
तुम ले जीवन का प्रवाह चली हो, हमें क्षण भर को मझधारा दो  
तुम ले रवि का वरदान चली हो, हमें अंजुली भर उजियारा दो ॥1

दिशा मार्ग का ज्ञान नहीं, भटक जाते हैं बस शून्य में  
भय बस हैं दृढ़ नहीं, रह जाते हैं, तृप्त न्यून में  
तुम लिए ज्ञान भंडार चली हो, हमें मार्गदर्शन एक नारा दो  
तुम ले रवि का वरदान चली हो, हमें अंजुली भर उजियारा दो ॥2

नयन तो हैं प्रकाश नहीं, रुक जाते हैं बस पग-पग में  
भ्रम बस हैं थाह नहीं, खो जाते हैं बस डग-डग में  
तुम ले जीवन का आधार चली हो, हमें तिनके भर का सहारा दो  
तुम ले रवि का वरदान चली हो, हमें अंजुली भर उजियारा दो ॥3

कहने को हैं सब पर अपने नहीं, 'शरद' ढूँढ़ चुके हैं जन-जन में  
जन्म से करते हैं प्रयत्न यही, पर खो ही चुके जीवन रण में  
तुम ले ममता की खान चली हो, हमें ममत्व और दुलारा दो  
तुम ले रवि का वरदान चली हो, हमें अंजुली भर उजियारा दो ॥4

शरद कुमार मिश्र 'शरद'  
उप मुख्य परिचालन प्रबंधक

## नगराकास की बैठक

श्री प्रभात सहाय, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय दिनांक 17.07.2015 को सेंट्रम हॉल, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, कफ परेड में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (मुंबई उपक्रम) की 55वीं बैठक को एवं 56वीं बैठक जो कि दिनांक 17.12.2015 को राष्ट्रीय केमिकल्स व फर्टीलाइजर्स लिमिटेड के प्रांगण में आयोजित की गयी थी मैं विशेष अतिथी के रूप में उपस्थित हुए।





16वें वार्षिकोत्सव पर पुरस्कार प्राप्त करते हुए सभी विभाग प्रमुख, अधिकारी व कर्मचारी।







# मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(रेल मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम)

[www.mrvcl.indianrailways.gov.in](http://www.mrvcl.indianrailways.gov.in)

2री मंजिल, चर्चगेट स्टेशन बिल्डिंग, चर्चगेट, मुंबई - 400 020.